Result Mitra

माधव गाडगिल को 2024 का UNEP "चैंपियन ऑफ द अर्थ" अवार्ड

चैंपियन

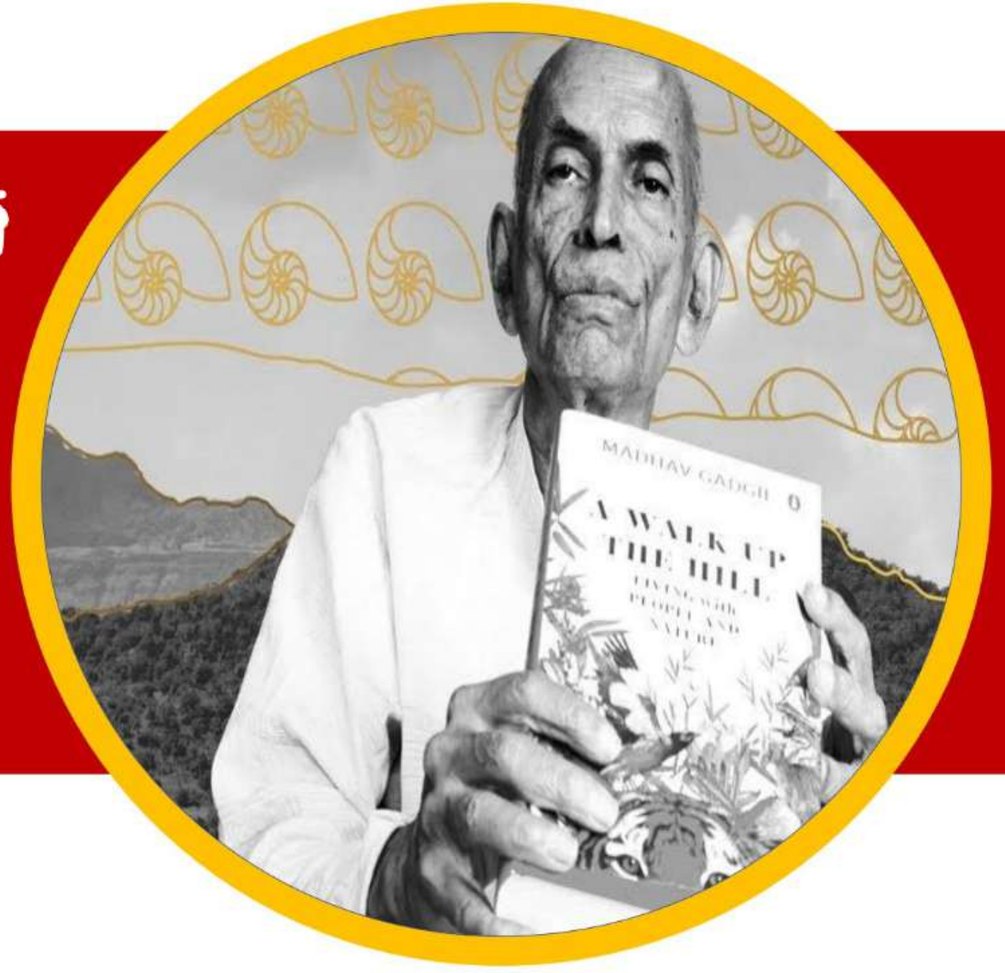

Result Mitra

माधव गाडगिल को 2024 का UNEP " चैंपियन ऑफ द अर्थ" अवार्ड

चर्चा में क्यों?

- माधव गडगिल, एक भारतीय पारिस्थितिकी विज्ञानी, को उनके पारिस्थितिकी और संरक्षण के क्षेत्र में जीवनभर के योगदान के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा "चैंपियन ऑफ द अर्थ" पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनका काम विशेष रूप से भारत के पश्चिमी घाट क्षेत्र में शोध और सामुदायिक सहभागिता पर केंद्रित था।

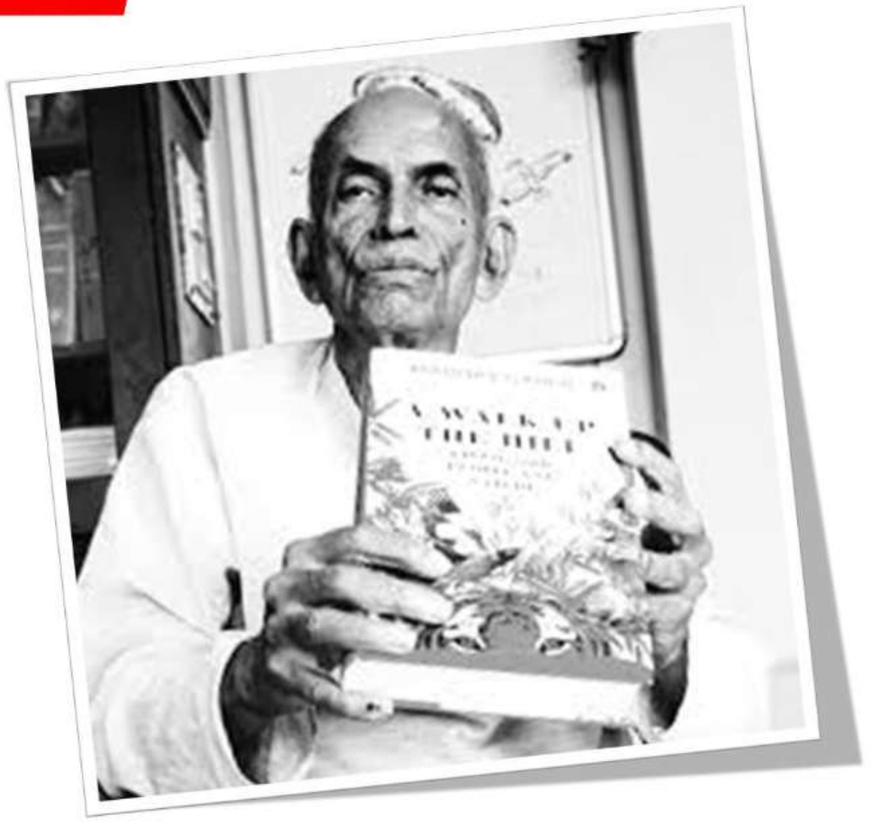

Result Mitra

माधव गाडगिल को 2024 का UNEP " चैंपियन ऑफ द अर्थ" अवार्ड

महत्वपूर्ण बिंदु:

- भारतीय पारिस्थितिकी विज्ञानी माधव गडगिल को "चैंपियन ऑफ द अर्थ" पुरस्कार मिला, जो पर्यावरण के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है।
- यह पुरस्कार उन्हें पारिस्थितिकी और प्रकृति संरक्षण में उनके जीवनभर के योगदान के लिए दिया गया।

पर्यावरण के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र द्वारा दिया जाने वाला

Result Mitra

माधव गाडगिल को 2024 का UNEP " चैंपियन ऑफ द अर्थ" अवार्ड

महत्वपूर्ण बिंदु:

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) के बयान के अनुसार, गडगिल ने दशकों तक शोध और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से लोगों और पृथ्वी की रक्षा की।
- उनके काम ने सार्वजनिक राय और सरकारी नीतियों पर गहरे प्रभाव डाले, खासकर भारत के पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील पश्चिमी घाट क्षेत्र में।

Result Mitra

माधव गाडगिल को 2024 का UNEP " चैंपियन ऑफ द अर्थ" अवार्ड

महत्वपूर्ण बिंदुः

- इस वर्ष के अन्य पुरस्कार विजेताओं में ब्राजील की सोनिया ग्वाजाजा, पर्यावरण रक्षक गेब्रियल पाउं, आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता एमी बोवर्स कॉर्डलिस, वैज्ञानिक लू ची और मिस्र में स्थायी कृषि पहल सेकेम शामिल हैं।

Result Mitra

माधव गाडगिल को 2024 का UNEP " चैंपियन ऑफ द अर्थ" अवार्ड

महत्वपूर्ण बिंदु:

- UNEP के कार्यकारी निदेशक इन्जर एंडरसन ने कहा कि भूमि क्षरण, रेगिस्तानकरण और सूखा बढ़ रहा है, लेकिन समाधान मौजूद हैं और पूरी दुनिया में व्यक्ति और संगठन पृथ्वी की रक्षा और उपचार में उदाहरण पेश कर रहे हैं।

Western Ghats Ecology Expert Panel (WGEEP)

- WGEEP (Western Ghats Ecology Expert Panel) एक विशेषज्ञ पैनल था, जिसे भारतीय सरकार ने पश्चिमी घाट क्षेत्र की पारिस्थितिकी का अध्ययन करने और इसके संरक्षण के लिए सिफारिशें देने के लिए 2010 में गठित किया था। इसके अध्यक्ष के रूप में प्रसिद्ध पारिस्थितिकीविद् माधव गडगिल थे।

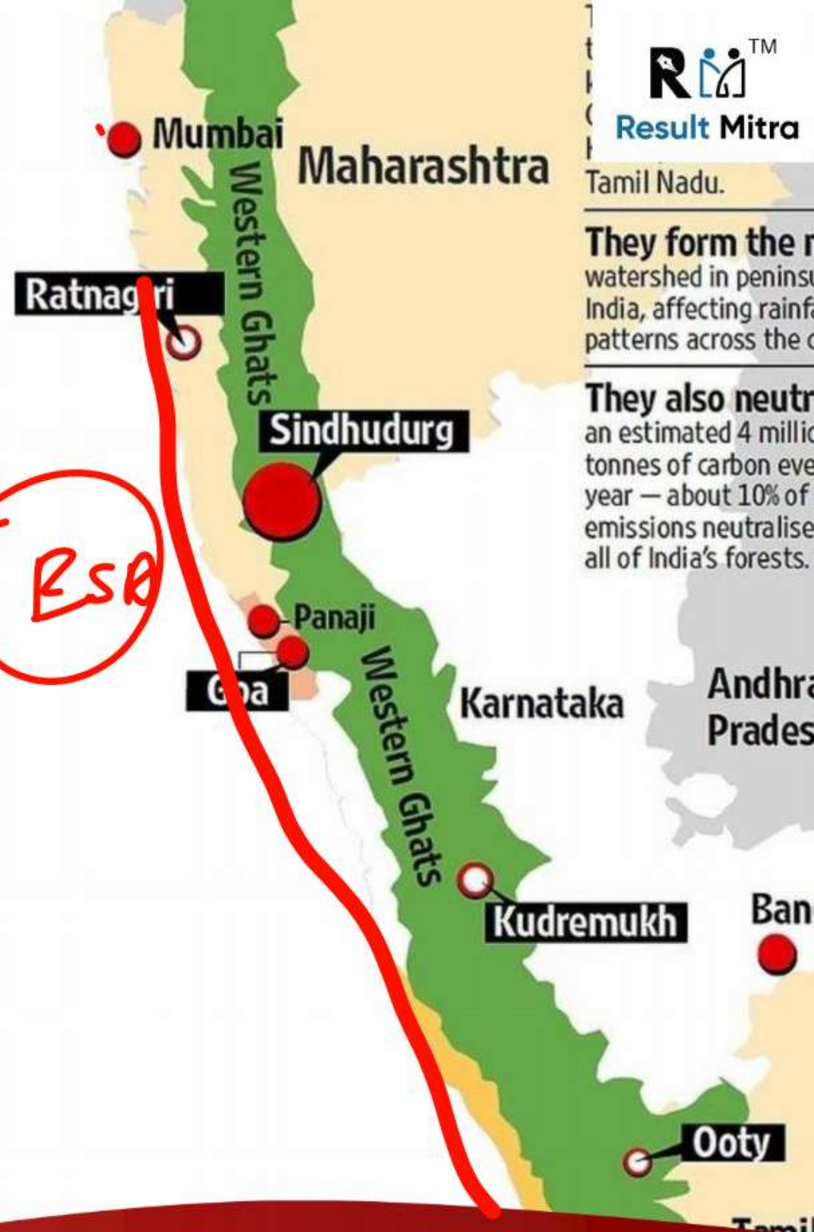

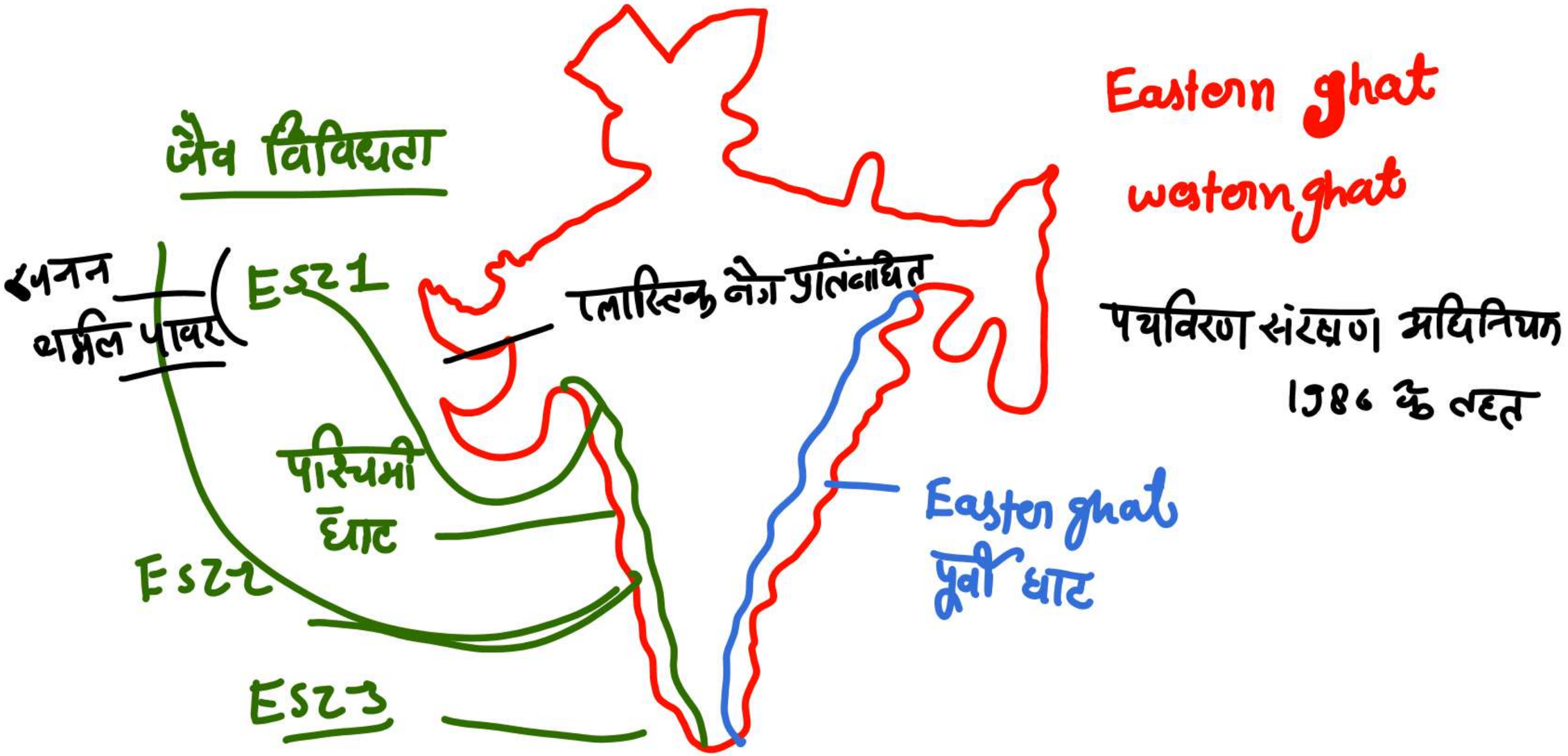
जैव विविधता
खनन
थर्मल पावर
ESZ 1
प्लास्टिक बैग प्रतिबंधित
Eastern ghat
western ghat
पर्यावरण संरक्षण अधिनियम
1986 के तहत
पश्चिमी
घाट
ESZ 2
Easten ghat
पूर्वी घाट
ESZ 3

पश्चिमी घाट

- सह्याद्रि पहाड़ियाँ भी कहा जाता है।
- उत्तरी महाराष्ट्र में सह्याद्रि केरल में सह्यम पर्वत कहा जाता है।
- कोंकण तट
- मध्यभाग को कनारा कहा जाता है।
- दक्षिण भाग को मालाबार तट के नाम से जाना जाता है।
- पूर्वी ढलती ओर को देश कहा जाता है।

नीलगिरी मल्लै

Western Ghats Ecology Expert Panel (WGEEP)

सिफारिशें

- पश्चिमी घाट क्षेत्र को पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ESA) के रूप में नामित किया जाए और पश्चिमी घाट के 64% हिस्से को तीन पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्रों (ESZ 1, ESZ 2, ESZ 3) में वर्गीकृत किया जाए।
- ESZ 1 में खनन, थर्मल पावर प्लांट्स और बांधों जैसी अधिकांश विकासात्मक गतिविधियों को रोकने की सिफारिश की गई, साथ ही ऐसे परियोजनाओं का बंद करना जो अपनी उम्र पूरी कर चुके हैं।

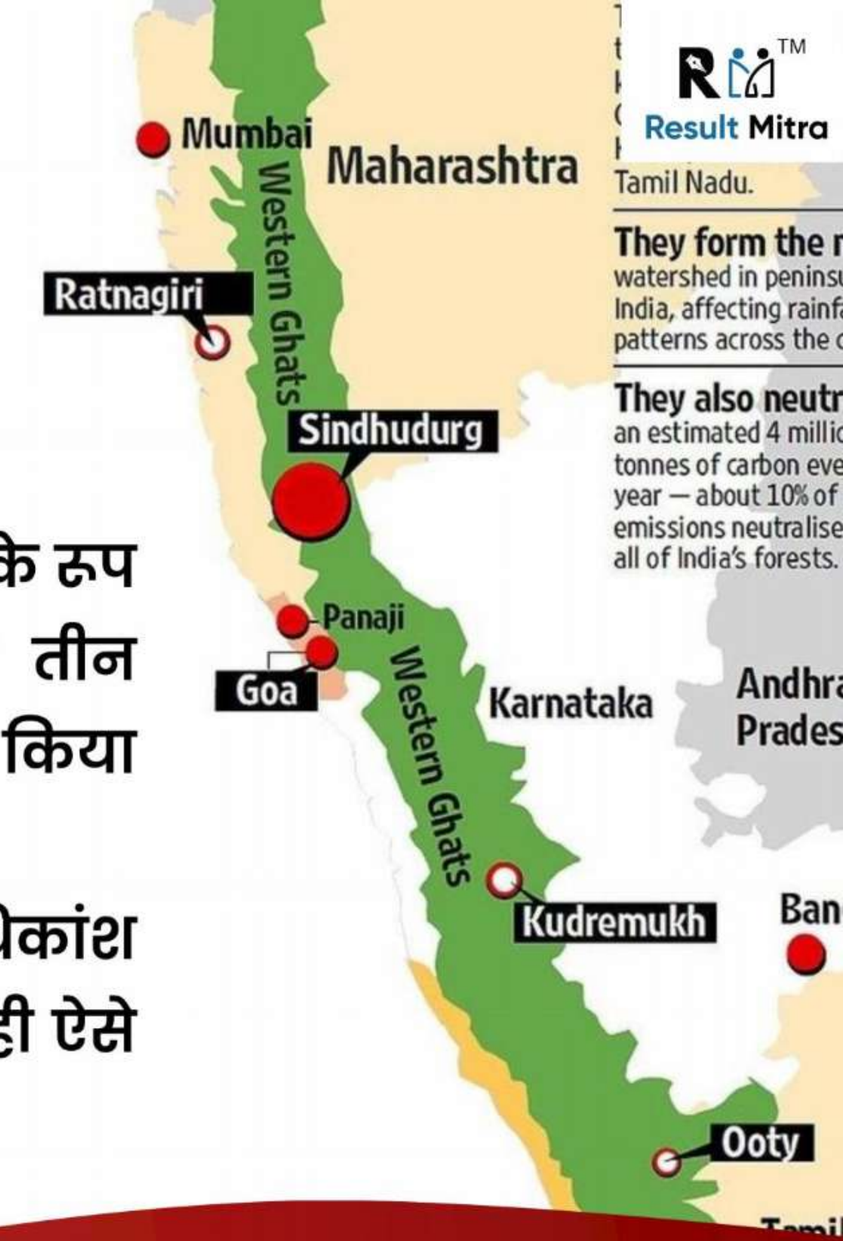

Western Ghats Ecology Expert Panel (WGEEP)

सिफारिशें

- सभी क्षेत्रों में, जेनेटिकली मोडिफाइड फसलों की अनुमति नहीं होनी चाहिए, प्लास्टिक बैग का उपयोग प्रतिबंधित किया जाना चाहिए, विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) की अनुमति नहीं होनी चाहिए, नए हिल स्टेशन की अनुमति नहीं होनी चाहिए, आदि।
- रिपोर्ट में पर्यावरण शासित करने के लिए टॉप-टू-बॉटम के बजाय बॉटम-टू-टॉप दृष्टिकोण की सिफारिश की गई, जो विकेंद्रीकरण और स्थानीय अधिकारियों को अधिक शक्तियां देने की बात करती है।

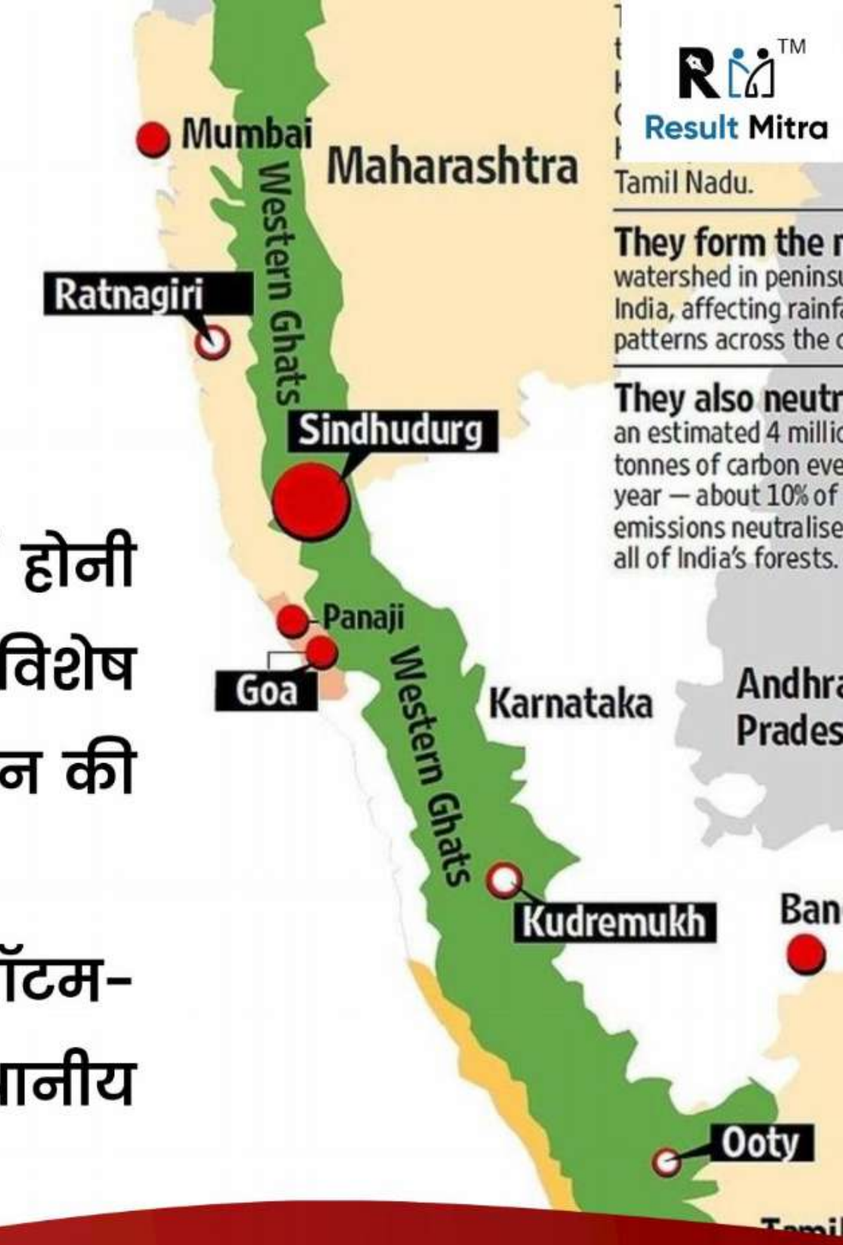

Western Ghats Ecology Expert Panel (WGEEP)

सिफारिशें

- रिपोर्ट में पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी प्राधिकरण की स्थापना की सिफारिश की गई, जो पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत एक पेशेवर संस्था के रूप में कार्य करेगा, जो इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी को प्रबंधित करने और इसके सतत विकास को सुनिश्चित करेगा।

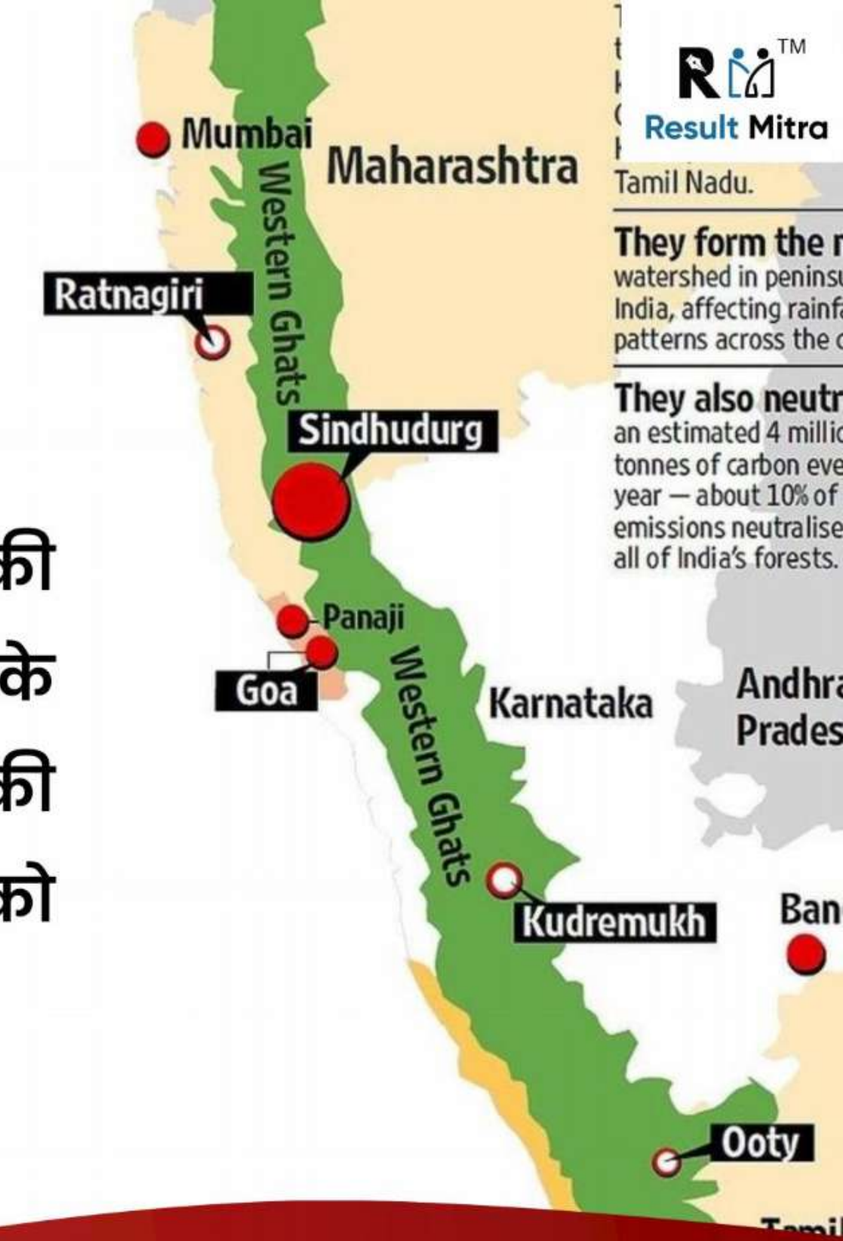

पश्चिमी घाट

- पश्चिमी घाट, जिसे सह्याद्री पहाड़ियां भी कहा जाता है, अपनी समृद्ध और अद्वितीय वनस्पति और प्राणी जीवन के लिए प्रसिद्ध हैं।
- इस रेंज को उत्तरी महाराष्ट्र में सह्याद्री और केरल में सह्य पर्वतम कहा जाता है।
- पश्चिमी घाट और अरब सागर के बीच संकीर्ण तटीय मैदान का उत्तरी भाग "कोंकण तट" के नाम से जाना जाता है।

पश्चिमी घाट

- मध्य भाग को "कनारा" कहा जाता है और दक्षिणी भाग को "मलबार क्षेत्र" या "मलबार तट" के रूप में जाना जाता है।
- महाराष्ट्र में पश्चिमी घाट के पूर्वी तलहटी क्षेत्र को "देश" कहा जाता है, जबकि कर्नाटका राज्य के मध्य क्षेत्र के पूर्वी तलहटी को "मलानाडु" कहा जाता है।
- दक्षिण में, इस रेंज को तमिलनाडु में "नीलगिरी मलै" कहा जाता है।

पश्चिमी घाट

- इसे UNESCO द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- यह जैविक विविधता और स्थानिकता के उच्च स्तर के कारण दुनिया के आठ जैव विविधता हॉटस्पॉट्स में से एक है।
- क्षेत्र में पाई जाने वाली प्रमुख चट्टानों में बेसाल्ट, चार्नोकाइट्स, ग्रेनाइट ग्नाइस, खोन्डालाइट्स, लेप्टीनाइट, रूपांतरित ग्नाइस, क्रिस्टलीय चूना पत्थर, लौह अयस्क, डोलराइट्स और एनॉर्थोसाइट्स शामिल हैं।

Result Mitra

माधव गाडगिल को 2024 का UNEP " चैंपियन ऑफ द अर्थ" अवार्ड

"चैंपियन्स ऑफ द अर्थ" पुरस्कार:

- 2005 में स्थापित "चैंपियन्स ऑफ द अर्थ" पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च पर्यावरण सम्मान है।
- हर साल, UNEP उन व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करता है जो जलवायु परिवर्तन, प्रकृति और जैव विविधता की हानि, और प्रदूषण एवं अपशिष्ट की त्रिपक्षीय ग्रह संकट से निपटने के लिए नवाचारी और सतत समाधान पर काम करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र

2005

संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च पर्यावरण सम्मान है

Result Mitra

माधव गाडगिल को 2024 का UNEP " चैंपियन ऑफ द अर्थ" अवार्ड

"चैंपियन्स ऑफ द अर्थ" पुरस्कार:

- चैंपियन्स हमारी अर्थव्यवस्थाओं को बदलते हैं, नवाचार करते हैं, राजनीतिक परिवर्तन का नेतृत्व करते हैं, पर्यावरणीय अन्याय से लड़ते हैं, और हमारे प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करते हैं।

Result Mitra

माधव गाडगिल को 2024 का UNEP " चैंपियन ऑफ द अर्थ" अवार्ड

"चैंपियन्स ऑफ द अर्थ" पुरस्कार:

"चैंपियन्स ऑफ द अर्थ" पुरस्कार की चार श्रेणियां:

- 1. नीति नेतृत्व
- 2. प्रेरणा और क्रियावली
- 3. उद्यमिता दृष्टिकोण
- 4. विज्ञान और नवाचार

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) एक अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरण है, जो वैश्विक पर्यावरणीय एजेंडा तय करने और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास कार्यक्रम के पर्यावरणीय आयाम को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद करता है।
- UNEP वैश्विक पर्यावरणीय एजेंडा स्थापित करता है, सतत विकास के पर्यावरणीय आयाम को UN प्रणाली में लागू करने का समर्थन करता है, और वैश्विक पर्यावरण के लिए एक प्राधिकृत प्रवक्ता के रूप में कार्य करता है।

Result Mitra

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)

- यह संगठन वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर पर्यावरणीय समस्याओं को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- इसका मुख्यालय नैरोबी में है, और इसे एक कार्यकारी निदेशक द्वारा नेतृत्व किया जाता है।
- 1960 और 1970 के दशकों में बढ़ते प्रदूषण ने अंतर्राष्ट्रीय नेताओं को पर्यावरणीय समस्याओं के लिए कानून और विनियम स्थापित करने की आवश्यकता महसूस करवाई, जैसा कि अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) और WHO के ढांचे में होता है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)

- इन चिंताओं को 1972 में स्टॉकहोम सम्मेलन (संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावरण सम्मेलन) में संबोधित किया गया।
- सम्मेलन के परिणामस्वरूप "मानव पर्यावरण पर स्टॉकहोम घोषणापत्र" को अपनाया गया।
- इस सम्मेलन के बाद पर्यावरणीय मुद्दों के प्रबंधन के लिए एक प्राधिकरण निकाय, जिसे संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) कहा गया, की स्थापना की गई।

Result Mitra

Result Mitra

सी राजगोपालाचारी

Result Mitra

सी राजगोपालाचारी

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने श्री सी. राजगोपालाचारी की जयंती (10 पर उन्हें याद करते हुए कहा कि वह एक बहुआयामी व्यक्तित्व थे, जिन्होंने प्रशासन, साहित्य और सामाजिक सशक्तिकरण पर गहरा प्रभाव छोड़ा।

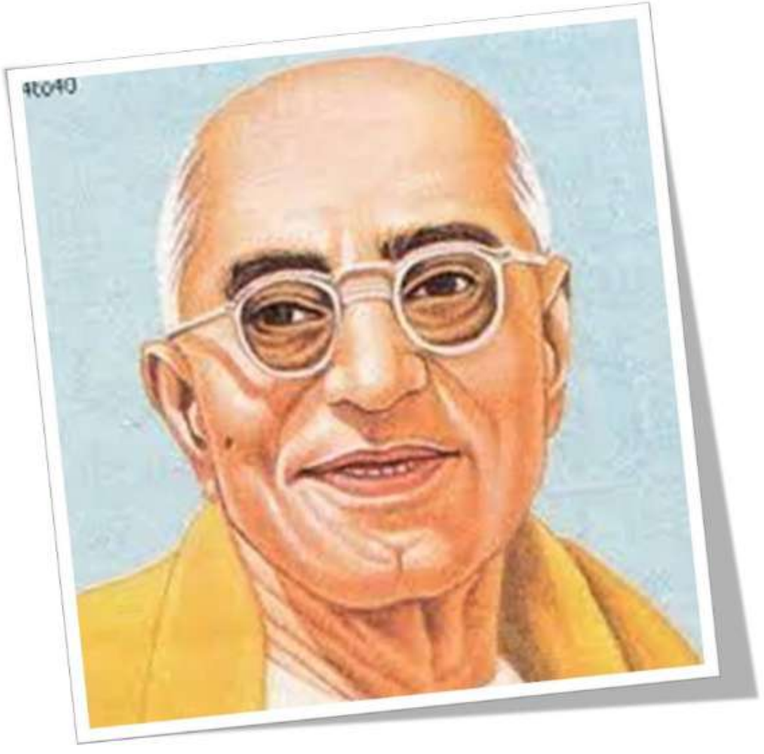

सी. राजगोपालाचारी के बारे में

- सी. राजगोपालाचारी (C. Rajagopalachari), जिन्हें चक्रवर्ती राजगोपालाचारी और "राजाजी" के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता, राजनेता, लेखक और समाज सुधारक थे। उनका योगदान न केवल भारतीय राजनीति में महत्वपूर्ण था, बल्कि साहित्य, सामाजिक सशक्तिकरण और प्रशासनिक सुधारों में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा।

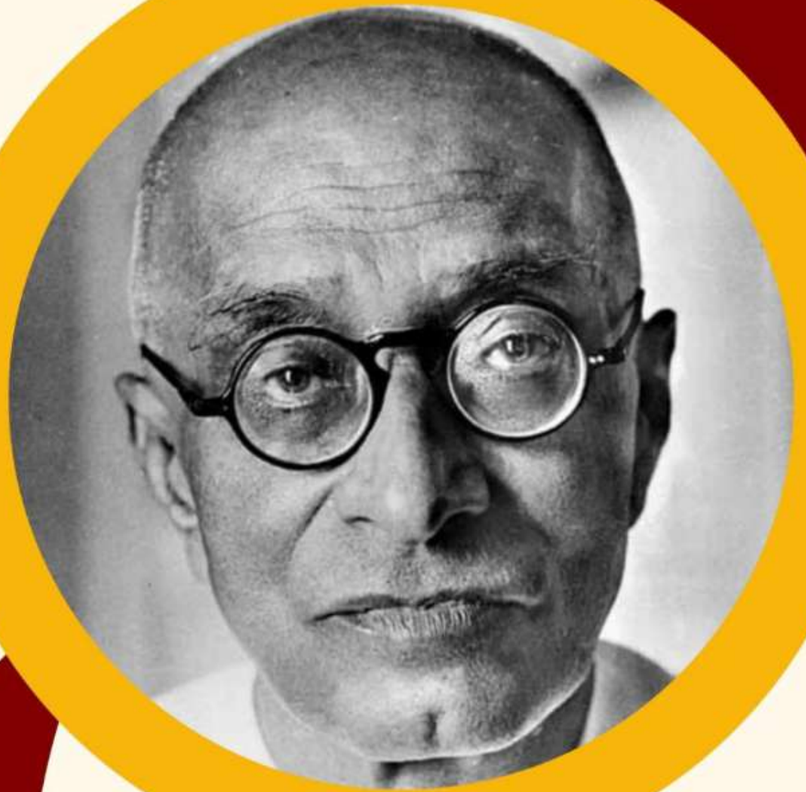

Result Mitra

सी. राजगोपालाचारी के बारे में

प्रारंभिक जीवन

- जन्म: सी. राजगोपालाचारी का जन्म 10 दिसंबर 1878 को तमिलनाडु के हॉसूर में हुआ था।
- वे एक प्रसिद्ध तमिल परिवार से थे और उनका परिवार भारतीय समाज में उच्च सम्मानित था।
- 1916 में उन्होंने तमिल वैज्ञानिक शब्दावली समाज की स्थापना की, जिसका उद्देश्य रसायन, भौतिकी, गणित, खगोलशास्त्र और जीवविज्ञान के वैज्ञानिक शब्दों को सरल तमिल में अनुवाद करना था।

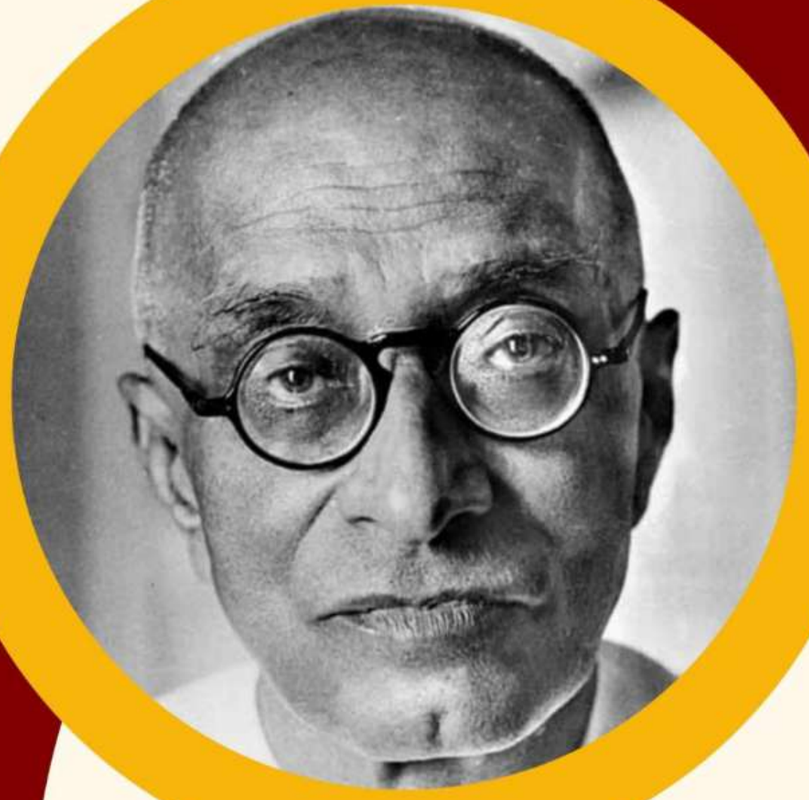

Result Mitra

सी. राजगोपालाचारी के बारे में

प्रारंभिक जीवन

- 1917 में वह सलम नगर निगम के अध्यक्ष बने और दो साल तक इस पद पर रहे।
- 1917 में उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता सेनानी पी. वरदराजुलु नायडू का सिडिशन के आरोप में बचाव किया।
- 1937 में मद्रास प्रेसीडेंसी के पहले प्रधानमंत्री के रूप में चुने गए।
- 1939 में उन्होंने अछूतता और जातिवाद को समाप्त करने के लिए मद्रास मंदिर प्रवेश अधिकार एवं मुआवजा अधिनियम जारी किया।

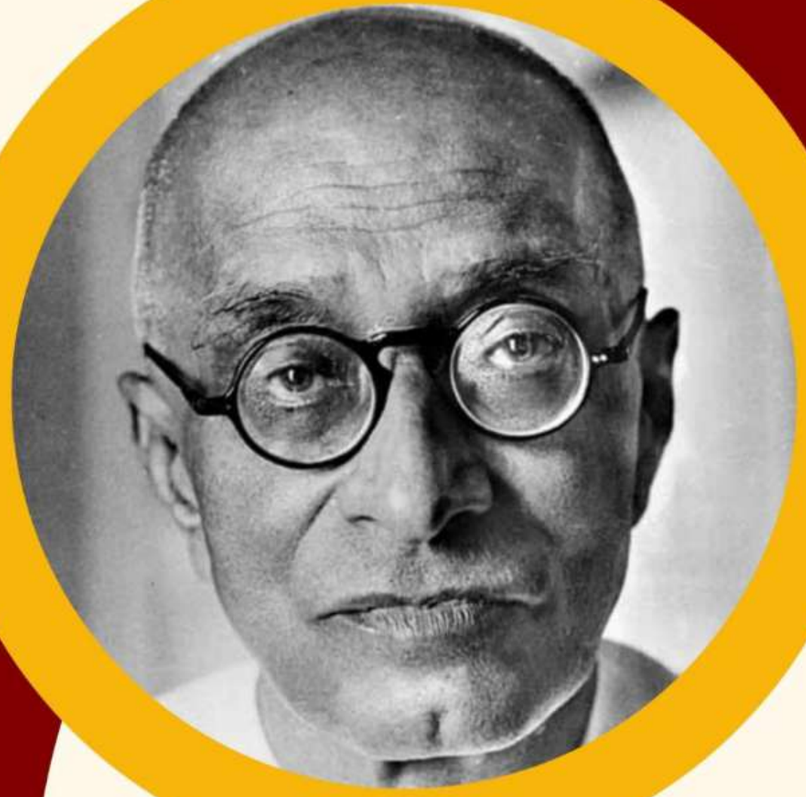

सी. राजगोपालाचारी के बारे में

प्रारंभिक जीवन

- विभाजन के समय, उन्हें पश्चिम बंगाल का गवर्नर नियुक्त किया गया।
- 1947 में, जब लॉर्ड माउंटबेटन अनुपस्थित थे, राजगोपालाचारी को स्वतंत्र भारत के पहले गवर्नर जनरल के रूप में अस्थायी रूप से नियुक्त किया गया और वह भारत के अंतिम गवर्नर जनरल बने।

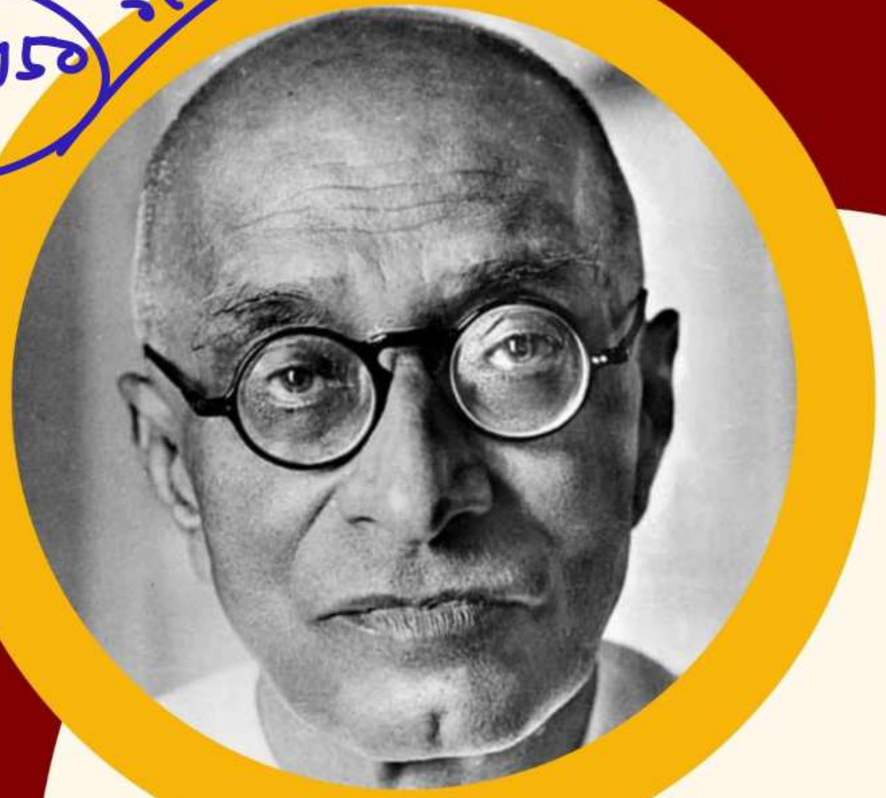

सी. राजगोपालाचारी के बारे में

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

- राजगोपालाचारी ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- 1930 में गांधी जी के नेतृत्व में नमक कानून तोड़ने के लिए दांडी मार्च किया, राजगोपालाचारी ने मद्रास प्रेसीडेंसी में वेदरण्यम में एक समान मार्च किया।
- राजगोपालाचारी ने गांधी जी के भारत छोड़ो आंदोलन का विरोध किया, उनका मानना था कि ब्रिटिश जल्द ही देश छोड़ देंगे, इसलिए एक और सत्याग्रह उचित नहीं था।

Result Mitra

सी. राजगोपालाचारी के बारे में

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

- उन्होंने अछूतता के खिलाफ वैकम सत्याग्रह में भाग लिया।
- उनका स्वच्छ और ईमानदार नेतृत्व उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में एक प्रमुख नेता के रूप में स्थापित करता था।
- गांधी जी के अखबार 'यंग इंडिया' के संपादक भी रहे।

यंग इंडिया

Result Mitra

सी. राजगोपालाचारी के बारे में

प्रशासनिक योगदान

- भारत के अंतिम गर्वनर-जनरल: भारतीय स्वतंत्रता के बाद, राजगोपालाचारी को भारत के पहले और अंतिम गर्वनर-जनरल, चक्रवर्ती राजगोपालाचारी के रूप में नियुक्त किया गया था। वे 1948 से 1950 तक इस पद पर रहे और भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- मुख्यमंत्री: उन्होंने मद्रास राज्य (अब तमिलनाडु) के मुख्यमंत्री के रूप में भी कार्य किया और अपनी नीतियों के जरिए राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया।

Result Mitra

सी. राजगोपालाचारी के बारे में

प्रशासनिक योगदान

- साहित्य और विचारधारा: वह एक महान लेखक थे और उनके साहित्यिक कार्यों में भारतीय संस्कृति और समाज के विभिन्न पहलुओं पर गहरी समझ झलकती थी। उन्होंने उपन्यास, निबंध और कथाएँ लिखीं।

Result Mitra

सी. राजगोपालाचारी के बारे में

समाज सुधारक और सामाजिक सशक्तिकरण

- राजगोपालाचारी ने भारतीय समाज में सुधारों के लिए कई कदम उठाए। उन्होंने अस्पृश्यता और जातिवाद के खिलाफ आवाज उठाई और समाज में समानता की वकालत की।
- उन्होंने कई सार्वजनिक और सांस्कृतिक संस्थाओं का समर्थन किया और समाज के विभिन्न वर्गों के अधिकारों को बढ़ावा दिया।

Result Mitra

सी. राजगोपालाचारी के बारे में

साहित्यिक योगदान

- उन्होंने रामायण का तमिल में अनुवाद किया, जिसे बाद में "चक्रवर्ती थिरुमगन" के नाम से प्रकाशित किया गया।
- इस पुस्तक को 1958 में तमिल साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ।

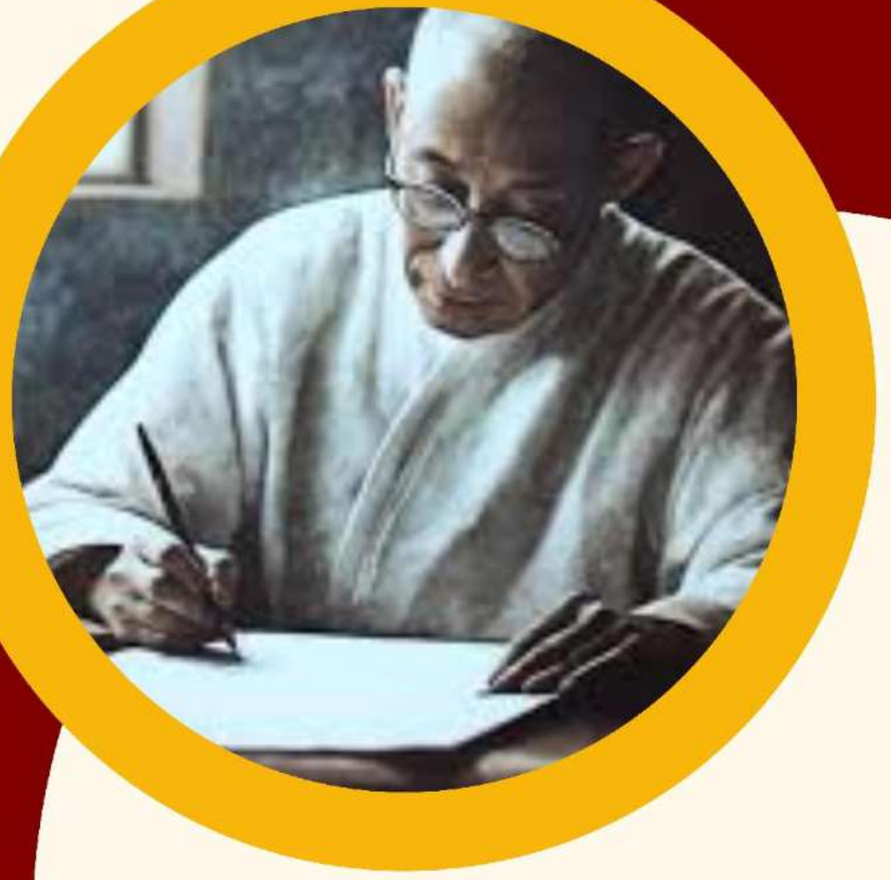

सी. राजगोपालाचारी के बारे में

अंतिम वर्ष और विरासत

- वे भारतीय राजनीति और प्रशासन में एक आदर्श बने रहे। उनके नेतृत्व और कार्यों को आज भी याद किया जाता है।
- राजगोपालाचारी का निधन 25 जनवरी 1972 को हुआ, लेकिन उनका योगदान आज भी भारतीय राजनीति और समाज में प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।
- सम्मान: 1955 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

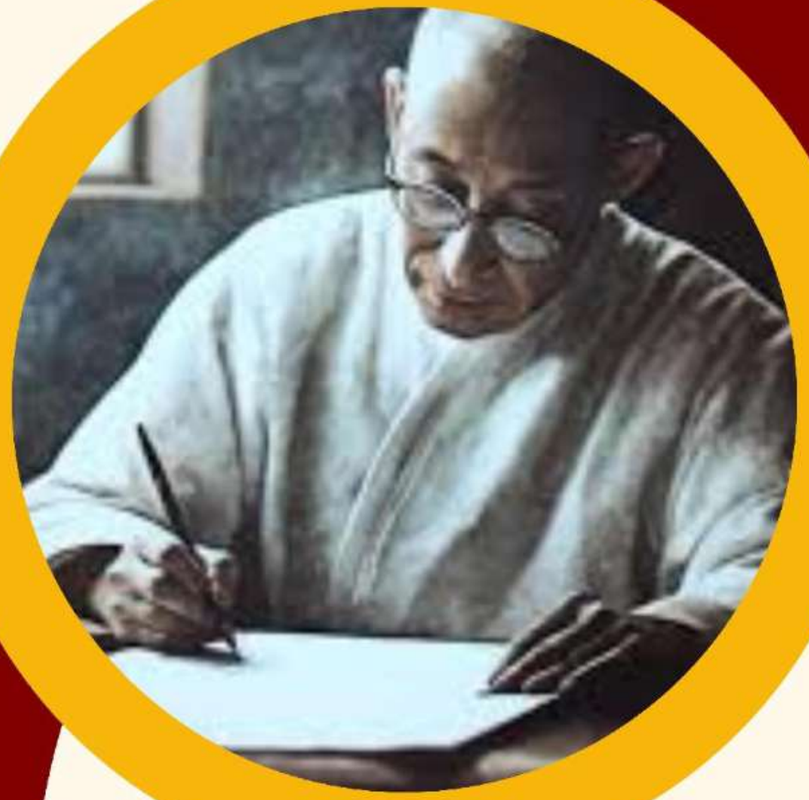

Result Mitra

Result Mitra

संरक्षण के लिए यूनेस्को पुरस्कार के लिए अबथसहायेश्वर मंदिर का चयन

अबथसहायेश्वर

Result Mitra

सी राजगोपालाचारी

चर्चा में क्यों?

- यूनेस्को ने थंजावुर जिले के थुक्काची में स्थित 1,300 साल पुराने अबथसहायेश्वरर मंदिर को 2023 के विशिष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया है। इस पुरस्कार का उद्देश्य मंदिर की धरोहर को संरक्षित करने में किए गए प्रयासों की सराहना करना है।

Result Mitra

सी राजगोपालाचारी

महत्वपूर्ण बिंदु:

- अबथसहायेश्वरर मंदिर को यूनेस्को द्वारा 2023 के विशिष्टता पुरस्कार(Award of Distinction) से सम्मानित किया गया।
- यह मंदिर विक्रम चोला और कुलोथुंगा चोला द्वारा निर्माण कराया गया था।

विक्रम चोल कुलोथुंगा चोल

Result Mitra

सी राजगोपालाचारी

महत्वपूर्ण बिंदु:

- मंदिर में पांच प्राकारम थे, जिनमें से दो प्राकारम का पुनर्निर्माण किया गया।
- इसमें कई देवताओं के मंदिर हैं, जैसे सौंदर्यायिनायकी अंबल, अष्टभुजा दुर्गा, आधि सारबेश्वरर, पिल्लयार, मुरुगन, चंडिकेश्वरर, भैरव, सूर्य और नागार।

Result Mitra

सी राजगोपालाचारी

महत्वपूर्ण बिंदु:

- गांव का नाम पहले विक्रम चोलेश्वरम और कुलोथुंगा चोला नल्लूर था।
- कुलोथुंगा चोला ने पहले सारबेश्वरर की मूर्ति स्थापित की थी, इसीलिए इसे आधि सारबेश्वरर कहा जाता है।
- मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद, 2023 में कुम्भाभिषेक किया गया।

Result Mitra

सी राजगोपालाचारी

महत्वपूर्ण बिंदु:

- मंदिर का संरक्षण पारंपरिक निर्माण विधियों और आधुनिक संरक्षण विज्ञान के संयोजन से किया गया।
- यूनेस्को ने इस मंदिर के संरक्षण में आधुनिक और पारंपरिक निर्माण शिल्प के संयोजन की सराहना की है, जिससे यह मंदिर आज फिर से जीवित और ऐतिहासिक संदर्भ में भक्तों के लिए महत्वपूर्ण बन गया है।

यूनेस्को एशिया
प्रशांत सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण पुरस्कार

- यूनेस्को एशिया-प्रशांत सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण पुरस्कार 2000 से निजी और सार्वजनिक-निजी पहल को मान्यता दे रहा है।
- 2020 में विशेष सम्मान स्थायी विकास को बढ़ावा देने के लिए पेश किया गया, ताकि सांस्कृतिक धरोहर के योगदान को उजागर किया जा सके।

यूनेस्को एशिया
प्रशांत सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण पुरस्कार

- यूनेस्को संगठनात्मक क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, पुरस्कार विजेता परियोजनाओं से उदाहरण लेकर युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए।
- पुरस्कारों के माध्यम से धरोहर संरक्षण में बेहतरीन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रों और रूपों की विस्तृत भागीदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है।
- धरोहर से संबंधित शोध और व्यावसायिक प्रथाओं का बेहतर आदान-प्रदान।

Result Mitra

यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन)

- यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन): एक विशेष एजेंसी जो शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के माध्यम से शांति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाता है।
- स्थापना: 16 नवम्बर 1945, विश्वयुद्ध के बाद शांति और सहयोग के लिए गठित।

यूनेस्को - पेरिस फ्रांस

50+ क्षेत्रीय कार्यालय

सदस्य देश - 193

सदस्य - 11 → सहयोगी सदस्य

Result Mitra

यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन)

मुख्य उद्देश्य:

- सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना।
- विज्ञान और नीति के माध्यम से सतत विकास को बढ़ावा देना।
- सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा और संस्कृति, कला, भाषा का समर्थन करना।
- अंतर-सांस्कृतिक संवाद और समझ को बढ़ावा देना।

Result Mitra

यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन)

मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालय:

- मुख्यालय: पेरिस, फ्रांस।
- 50+ क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ।

सदस्यता: 193 सदस्य देश और 11 सहयोगी सदस्य (अप्रैल 2020 तक)।

Result Mitra

यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन)

कार्य और कार्यक्रम:

- सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण: विश्व धरोहर स्थलों की सूची बनाना (जैसे ताज महल, गीज़ा पिरामिड)।
- शिक्षा: 2030 एजेंडा के तहत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और महिला शिक्षा पर ध्यान।
- साइंस और तकनीकी सहयोग: महासागर संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अनुसंधान।

Result Mitra

यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन)

कार्य और कार्यक्रम:

- सामाजिक और नैतिक चुनौतियाँ: मानवाधिकार, समानता, और धार्मिक सहिष्णुता।
- मीडिया और सूचना: सूचना प्रौद्योगिकी और मीडिया साक्षरता के कार्यक्रम।
- सतत विकास के लिए योगदान: 2020 में सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के सतत विकास में योगदान को मान्यता।

Result Mitra

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

Result Mitra

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

चर्चा में क्यों?

- विपक्षी दलों द्वारा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का निर्णय, संसद के शीतकालीन सत्र के खत्म होने से पहले।

Result Mitra

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

महत्वपूर्ण बिंदु:

- विपक्षी दलों ने राज्यसभा के चेयरमैन और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास या महाभियोग प्रस्ताव लाने का निर्णय लिया है।
- तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं।

Result Mitra

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

महत्वपूर्ण बिंदु:

- इस साल विपक्ष का यह दूसरा प्रयास है, और प्रस्ताव के लिए 14 दिन पहले नोटिस देना जरूरी है।
- प्रस्ताव को राज्यसभा में बहुमत से पास और लोकसभा से सहमति मिलनी चाहिए।
- शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर को समाप्त हो रहा है, जिससे समय कम है।

Result Mitra

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

भारत के उपराष्ट्रपति:

- भारत के उपराष्ट्रपति संविधान में दूसरा सर्वोच्च पद है।
- यह पद अमेरिकी उपराष्ट्रपति के मॉडल पर आधारित है।

Result Mitra

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

भारत के उपराष्ट्रपति:

पात्रता (अनुच्छेद 66(3)):

- भारतीय नागरिक होना चाहिए।
- न्यूनतम आयु 35 वर्ष।
- राज्यसभा के सदस्य के रूप में चुने जाने के योग्य।
- भारत या राज्य सरकार के अधीन किसी लाभ के पद पर नहीं होना चाहिए।

Result Mitra

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

भारत के उपराष्ट्रपति:

चुनाव प्रक्रिया (अनुच्छेद 66(1)):

- चुनावी कॉलेज में संसद के दोनों सदनों के सदस्य शामिल होते हैं।
- आनुपातिक प्रतिनिधित्व और सिंगल ट्रांसफर वोट प्रणाली से चुनाव होता है।
- राष्ट्रपति चुनाव से भिन्न, इसमें नामित सदस्य भी शामिल होते हैं, लेकिन राज्य विधानसभाओं के सदस्य शामिल नहीं होते।
- चुनाव से जुड़े विवादों का निपटारा सुप्रीम कोर्ट करता है।

Result Mitra

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

भारत के उपराष्ट्रपति:

कार्यकाल (अनुच्छेद 67):

- कार्यकाल 5 वर्ष का होता है, और पुनः चुनाव योग्य हैं।
- इस्तीफा राष्ट्रपति को लिखित रूप में सौंप सकते हैं।
- राज्यसभा और लोकसभा के बहुमत से प्रस्ताव पारित कर हटाए जा सकते हैं।

Result Mitra

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

भूमिकाएँ और अधिकार:

राज्यसभा के पदेन अध्यक्ष (अनुच्छेद 64):

- राज्यसभा सत्रों की अध्यक्षता करते हैं।
- केवल टाई तोड़ने के लिए वोट देते हैं।

कार्यवाहक राष्ट्रपति (अनुच्छेद 65):

- राष्ट्रपति की अनुपस्थिति, इस्तीफा, मृत्यु, या हटाए जाने पर कार्यभार संभालते हैं।

Result Mitra

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

भूमिकाएँ और अधिकार:

औपचारिक भूमिका:

- पद की गरिमा और निष्पक्षता का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन प्रशासन में सीधा हस्तक्षेप नहीं करते।

Result Mitra

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

भूमिकाएँ और अधिकार:

महाभियोग प्रक्रिया (अनुच्छेद 67(b)):

- हटाने के लिए राज्यसभा के सभी सदस्यों के बहुमत से प्रस्ताव पास होना चाहिए।
- लोकसभा को सरल बहुमत से प्रस्ताव पर सहमति देनी होती है।
- प्रस्ताव लाने से 14 दिन पहले नोटिस देना अनिवार्य है।

Result Mitra

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2024

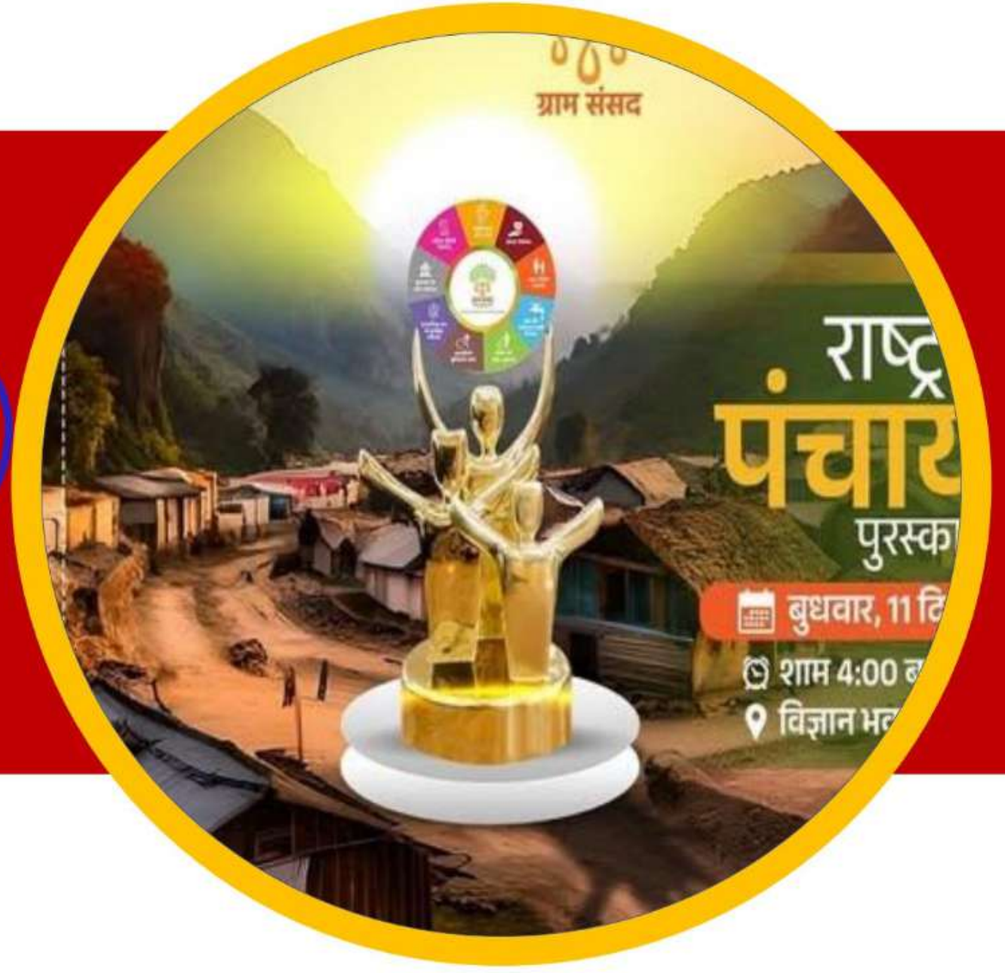

Result Mitra

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2024

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2024, पंचायती राज संस्थाओं की समावेशी और सतत विकास में अनुकरणीय उपलब्धियों को मान्यता देने हेतु दिए जाते हैं। यह कार्यक्रम 11 दिसंबर, 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित होगा।

Result Mitra

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2024

मुख्य बिंदु

- पंचायती राज मंत्रालय ने मूल्यांकन वर्ष 2022-2023 के लिए राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की।
- पुरस्कार समावेशी और सतत विकास में पंचायती राज संस्थाओं के प्रयासों को मान्यता देते हैं।
- 45 विजेताओं का चयन किया गया, जो सामुदायिक विकास और शासन की उपलब्धियों को दर्शाता है।

Result Mitra

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2024

मुख्य बिंदु

प्रमुख श्रेणियां:

- दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार।
- नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत विकास पुरस्कार।
- ग्राम ऊर्जा स्वराज विशेष पंचायत पुरस्कार।
- कार्बन न्यूट्रल विशेष पंचायत पुरस्कार।
- पंचायत क्षमता निर्माण सर्वोत्तम संस्थान पुरस्कार।

Result Mitra

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2024

मुख्य बिंदु

- पुरस्कार गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, जलवायु स्थिरता, आदि क्षेत्रों में उपलब्धियों को मान्यता देते हैं।
- 1.94 लाख ग्राम पंचायतों ने प्रतियोगिता में भाग लिया, जिनमें 42% महिला नेतृत्व वाली पंचायतें शामिल हैं।

Result Mitra

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2024

मुख्य बिंदु

- पंचायतों के प्रदर्शन का 5 चरणों की पारदर्शी प्रक्रिया के तहत मूल्यांकन किया गया।
- यह पुरस्कार अन्य पंचायतों को सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है।
- कार्यक्रम में विजेताओं को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

Result Mitra

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2024

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार

- यह पुरस्कार पंचायतों के प्रयासों को मान्यता देने और प्रोत्साहित करने के लिए दिए जाते हैं।
- गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य, बाल कल्याण, जल संरक्षण, स्वच्छता, बुनियादी ढांचा, सामाजिक न्याय, शासन और महिला सशक्तिकरण।

Result Mitra

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2024

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार

9 LSDG विषय:

1. गरीबी मुक्त और आजीविका वृद्धि पंचायत।
2. स्वस्थ पंचायत।
3, बाल अनुकूल पंचायत।
4. जल पर्याप्त पंचायत।
5. स्वच्छ और हरित पंचायत।
6. स्वनिर्भर बुनियादी ढांचा पंचायत।
7. सामाजिक न्याय और सुरक्षा पंचायत।
8. सुशासन वाली पंचायत।
9. महिला अनुकूल पंचायत।

Result Mitra

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2024

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार

पुरस्कार श्रेणियां:

- दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार (DDUPSVP): प्रत्येक 9 LSDG विषयों में शीर्ष 3 ग्राम पंचायतों/समान निकायों को दिया जाता है।
- नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत विकास पुरस्कार: 9 LSDG विषयों में कुल प्रदर्शन के आधार पर ग्राम, ब्लॉक और जिला पंचायतों को दिया जाता है।

Result Mitra

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2024

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार

विशेष श्रेणियां:

- ग्राम ऊर्जा स्वराज विशेष पंचायत पुरस्कार: नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और अपनाने में प्रदर्शन के लिए शीर्ष 3 ग्राम पंचायतों को।
- कार्बन न्यूट्रल विशेष पंचायत पुरस्कार: नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने में प्रदर्शन के लिए शीर्ष 3 पंचायतों को।
- पंचायत क्षमता निर्माण सर्वोत्तम संस्थान पुरस्कार: LSDG लक्ष्यों को प्राप्त करने में पंचायतों को संस्थागत समर्थन देने वाले 3 संस्थानों को।

Result Mitra

दुनिया की सबसे बड़ी सोने की ईंट का अनावरण

Result Mitra

दुनिया की सबसे बड़ी सोने की ईंट का अनावरण

चर्चा में क्यों?

- दुबई ने 7-8 दिसंबर, 2024 को दुनिया की सबसे बड़ी सोने की ईंट का अनावरण किया, जिससे एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित हुआ।

Result Mitra

दुनिया की सबसे बड़ी सोने की ईंट का अनावरण

महत्वपूर्ण बिंदु

- सोने की ईंट का वजन 300.12 किलोग्राम (661 पाउंड 10 औंस) है।
- मूल्य: ₹211 करोड़ ($25 मिलियन)।
- निर्माण: यह ईंट एमिरेट्स मिंटिंग फैक्ट्री द्वारा 8-10 घंटे में तैयार की गई, गिनीज मानकों के अनुसार।
- महत्व: यह सोने के उद्योग में नवाचार और दुबई की उत्कृष्टता को दर्शाता है।

Result Mitra

दुनिया की सबसे बड़ी सोने की ईंट का अनावरण

महत्वपूर्ण बिंदु

- प्रदर्शन: ईंट को दुबई गोल्ड सूक एक्सटेंशन में कांच के केस में प्रदर्शित किया गया।
- 7 और 8 दिसंबर को बड़ी संख्या में लोग इसे देखने और इसके साथ फोटो खिंचवाने पहुंचे।
- यह प्रदर्शन दुबई को वैश्विक विलासिता और व्यापार केंद्र के रूप में मजबूत करता है।

Result Mitra

दुनिया की सबसे बड़ी सोने की ईंट का अनावरण

दुबई के बारे में:

- दुबई संयुक्त अरब अमीरात (UAE) का एक प्रमुख शहर है, जो खाड़ी क्षेत्र में स्थित है।
- **राजधानी:** दुबई, यूएई का सबसे बड़ा शहर है, लेकिन अबू धाबी यूएई की राजधानी है।

Result Mitra

दुनिया की सबसे बड़ी सोने की ईंट का अनावरण

दुबई के बारे में:

- **आर्थिक केंद्र:** दुबई को दुनिया के प्रमुख व्यापारिक और वित्तीय केंद्रों में गिना जाता है, जहां व्यापार, उद्योग और पर्यटन की अहम भूमिका है।
- दुबई ने खुद को एक ग्लोबल व्यापारिक, पर्यटन और विलासिता के केंद्र के रूप में स्थापित किया है। इसके लिए इसे बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर, आधुनिक वास्तुकला, और शाही शॉपिंग मॉल्स के लिए जाना जाता है।

Result Mitra

दुनिया की सबसे बड़ी सोने की ईंट का अनावरण

दुबई के बारे में:

मुख्य आकर्षण:

- बुर्ज खलीफा: दुनिया की सबसे ऊँची इमारत।
- पाम जुमेराह: कृत्रिम द्वीप, जो अपने आलीशान रिसॉर्ट्स और वीआईपी सुविधाओं के लिए प्रसिद्ध है।
- दुबई मॉल: एक विशाल शॉपिंग मॉल जिसमें हजारों ब्रांड्स और मनोरंजन विकल्प हैं।

Result Mitra

दुनिया की सबसे बड़ी सोने की ईंट का अनावरण

दुबई के बारे में:

I hope आप

मुख्य आकर्षण:

- दुबई मॉल: एक विशाल शॉपिंग मॉल जिसमें हजारों ब्रांड्स और मनोरंजन विकल्प हैं।
- दुबई गोल्ड सूक: दुनिया का सबसे प्रसिद्ध सोने का बाजार।
- पर्यटन: दुबई का पर्यटन उद्योग तेजी से बढ़ा है, विशेषकर शॉपिंग फेस्टिवल्स, सांस्कृतिक आयोजनों, और आलिशान होटल्स के कारण।

Thank you so much